WHISPERS IN THE CORRIDORS .COM

डॉ. सुरेश मेहरोत्रा

नईदुनिया से विशेष अनुबंध के तहत

राजनीतिक, प्रशासनिक व कॉर्पोरेट जगत की खबरें

राजनीतिक

• मंत्री जी ने प्रधानमंत्री कार्यालय का दौरा करके अपना काम पूरा कर लिया, अंदाजा लगाइए कौन था वो?

एक केंद्रीय मंत्री ऐसे हैं जो प्रधानमंत्री कार्यालय जाए बिना ही अपना सारा काम निपटा लेते हैं। मौजूदा व्यवस्था में यह एक असामान्य बात है और राजनीतिक विश्लेषक भी इससे हैरान हैं। अब अनुमान लगाइए कि वह मंत्री कौन हैं?

• प्रधानमंत्री मोदी के मंत्रिमंडल में फिलहाल 71 सदस्य हैं, जो बढ़कर 81 तक हो सकते हैं

लोकसभा में एनडीए की संख्या को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में 81 मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है। 81 सदस्यीय मंत्रिमंडल के मुकाबले वर्तमान में 71 मंत्री हैं, जिससे प्रधानमंत्री के पास 10 और मंत्रियों को शामिल करने की गुंजाइश है।

प्रशासनिक

• संदीप खिरवार को सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया

संदीप खिरवार, आईपीएस (हरियाणा: 1995), एडीजी, सीआरपीएफ, को पदभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि यानी 31.05.2033 तक सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

• पुनीत रस्तोगी बीएसएफ के विशेष महानिदेशक

पुनीत रस्तोगी, आईपीएस (त्रिपुरा:1995), एडीजी, बीएसएफ को पदभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि यानी 30.06.2030 तक विशेष महानिदेशक, बीएसएफ के पद पर पदोन्नत किया गया है।

• सतीश श्रीरामाजी खंडारे बीएसएफ के विशेष महानिदेशक

सतीश श्रीरामाजी खंडारे, आईपीएस (एजीएमयूटी: 1995), एडीजी, बीएसएफ, को पदभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि यानी 30.06.2031 तक विशेष महानिदेशक, बीएसएफ के पद पर पदोन्नत किया गया है। यह पदोन्नति बीएसएफ में अस्थायी रूप से पदावनत किए गए विशेष महानिदेशक के पद को बहाल करके की गई है।

• पद्माकर रानीपसे सीआईएसएफ के विशेष महानिदेशक

पद्मकर एस रानीप्से, आईपीएस (ओडिशा:1995), एडीजी, सीआईएसएफ, को सीआईएसएफ में विशेष महानिदेशक के पद पर अस्थायी रूप से पदोन्नत किया गया है, उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से और उनकी सेवानिवृत्ति तक यानी 31.05.2028 तक के कार्यकाल के लिए।

• राजेश कुमार सीआरपीएफ के विशेष महानिदेशक

राजेश कुमार, आईपीएस (एजीएमयूटी: 1995), एडीजी, सीआरपीएफ को उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए अस्थायी रूप से उनके पद को उन्नत करके सीआरपीएफ में विशेष महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

• जग मोहन विशेष निदेशक, आईबी

जग मोहन, आईपीएस (बिहार: 1995)। अतिरिक्त निदेशक, आईबी, को पदभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक, यानी 30.06.2031 तक, विशेष निदेशक, आईबी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

• आईआरएस अधिकारियों के लिए अवसर खुल रहे हैं

सीबीआई और अन्य जांच संगठनों में आईआरएस (सी एंड आईटी) अधिकारियों की बढ़ती तैनाती एक अधिक स्पष्ट करियर-डेपुटेशन धारा बन सकती है। सीबीआई एसपी की हालिया दो नियुक्तियां इस दिशा का ठोस प्रमाण प्रदान करती हैं।

• नव नियुक्त 13 आईआईएस अधिकारियों को पद आवंटित

प्रशिक्षण पूरा होने के बाद 13 आईआईएस अधिकारियों को विभिन्न इकाइयों में तैनात किया गया है। इनमें पंकज कुमार श्रीवास्तव को लखनऊ स्थित डीडीके में सहायक निदेशक समाचार के रूप में तैनात किया गया है। चार अधिकारी – सुश्री अंजू मीना, सुश्री प्रिया यादव, सुश्री दिव्या एन मैथ्यूज और रमा कृष्णा बीआर पीआईबी, दिल्ली में सहायक निदेशक के रूप में कार्यभार संभालेंगी। पुनीत सक्सेना और शिवम कुमार को एआईआर न्यूज, दिल्ली में सहायक निदेशक के रूप में तैनात किया गया है। खिलारे सूरज संभाजी, किरण मुरली और प्रकाश ए पाटिल सीबीसी, दिल्ली में कार्यभार संभालेंगे। भारती जे कृष्णन को डीडी न्यूज, दिल्ली में सहायक निदेशक के रूप में तैनात किया गया है। कुलदीप मीना को ईएमएमसी, दिल्ली में सहायक निदेशक के रूप में तैनात किया गया है और सूरज कुमार सिंह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सहायक निदेशक के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

• सेवानिवृत्त नौकरशाह आशीष जोशी से दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ ने वरिष्ठ सेवानिवृत्त नौकरशाह आशीष जोशी को लगभग 10 घंटे तक हिरासत में रखकर पूछताछ की और फिर शाम को रिहा कर दिया। जोशी, भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा के 1992 बैच के अधिकारी हैं, जो 31 मार्च, 2026 को भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव रैंक के अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि अधिकारियों ने नेहरू पार्क में अपनी नियमित सुबह की सैर के दौरान जोशी को हिरासत में ले लिया। सेवानिवृत्त अधिकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के मुखर आलोचक हैं। घटना के प्रत्यक्षदर्शी एक सहयोगी के अनुसार, विस्तृत पूछताछ कथित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित एक ऑनलाइन पोस्ट पर केंद्रित थी। हालांकि कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने जांच के पीछे के सटीक कारण का औपचारिक रूप से उल्लेख नहीं किया है, लेकिन जोशी की सोशल मीडिया गतिविधियों पर पहले भी सरकार ने कार्रवाई की है। 13 अगस्त, 2026 को, केंद्रीय अधिकारियों ने प्लेटफॉर्म X को भारत में उनके एक पोस्ट को प्रदर्शित करने से रोकने का निर्देश दिया था। औपचारिक कानूनी आरोपों या आधिकारिक कार्यवाही के संबंध में आगे कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

• सुसंता पुरोहित को पारादीप बंदरगाह प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार

वीओ चिदंबरनार बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष सुसंता कुमार पुरोहित ने पारादीप बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया है। बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय का यह कदम बुनियादी ढांचे, माल ढुलाई, संपर्क और हरित बंदरगाह पहलों को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

• बीईएमएल के सीएमडी को वित्त का अतिरिक्त प्रभार

बीईएमएल के वित्त निदेशक अनिल जेरथ 31 अगस्त, 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सीएमडी शांतनु रॉय 1 सितंबर से वित्त निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। बीईएमएल के सीएमडी शांतनु रॉय को 1 सितंबर से निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह एक रणनीतिक रक्षा-गतिशीलता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में शीर्ष स्तर की जिम्मेदारी का एक और अस्थायी केंद्रीकरण दर्शाता है।

वर्तमान सरकार भगवान राम-कृष्ण, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यावासिनी पर रखती है आस्था : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर दी जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, मथुरा : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक जन्मस्थान परिसर में रहे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि ब्रज को लोगों की भावनाओं के अनुरूप विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि मथुरा, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन और वृंदावन का विकास श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं के अनुसार किया जाएगा।

अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्वाह्न 9:55 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। मुख्यमंत्री रहते 20वीं बार जन्मस्थान आए योगी ने सबसे पहले यहां गर्भगृह में लाला के दर्शन किए। पूरे गर्भगृह की दीवारों को चांदी की परत लगाकर सजाया गया। यहां की अद्भुत छटा को योगी निहारते रहे। काफी देर तक उन्होंने गर्भगृह में विराजे लाला को निहारा। यहां श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

उसके उपरांत मुख्यमंत्री योगी ने योगमाया मंदिर, केशवदेव मंदिर और फिर भागवत भवन में पहुंचे जहां उन्होंने युगल सरकार की पूजा अर्चना की। उसके उपरांत उन्होंने श्रद्धालुओं के समक्ष घोषणा की कि मथुरा, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन और वृंदावन का विकास श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं के अनुरूप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रजवासियों को सम्मान देने के लिए वे हर जन्माष्टमी पर मथुरा आते हैं, जबकि पिछली सरकारें अपने वोट बैंक के डर से यहां आने से कतराती थीं। उन्होंने कहा कि पहले जहां जवाहर बाग जैसी घटनाएं होती थीं, वहीं अब ब्रज में रंगोत्सव और ब्रजराज उत्सव का आयोजन होता है।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्तमान सरकार भगवान राम, कृष्ण, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यवासिनी पर आस्था रखती है, जबकि पिछली सरकारों की आस्था बाबर और औरंगजेब में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोग समाज में जहर घोलने, महिलाओं, अन्नदाताओं और उद्यमियों को कमजोर करने का प्रयास करते हैं लेकिन डबल इंजन की सरकार उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी। भगवान कृष्ण के संदेश का जिक्र करते हुए उन्होंने सभी से कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने और देश को विकसित भारत बनाने में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर यूपी ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, पूर्व मंत्री व विधायक श्रीकांत शर्मा, पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, विधान परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह, योगेश चौधरी सहित जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

सीएम ने कान्हा भक्ति स्तंभ मार्ग का किया लोकार्पण

मथुरा । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार शाम को अपने मथुरा प्रवास के दौरान वृंदावन में नवनिर्मित और भव्य कान्हा भक्ति स्तंभ मार्ग का विधिवत लोकार्पण किया। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत 23.96 करोड़ रुपये की लागत से यह महत्वाकांक्षी परियोजना पर्यटक सुविधा केंद्र (टीएफसी) से लेकर पानीगांव तिराहा तक विकसित की गई है। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित मार्ग का बारीकी से निरीक्षण और अवलोकन किया। इस दौरान सीएम योगी इस विकास कार्य से काफी प्रसन्न नजर आए। उन्होंने इस खूबसूरत मार्ग पर गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और उ.प्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र सहित अन्य अधिकारियों के साथ सेल्फी भी ली। मुख्यमंत्री ने नगर निगम मथुरा-वृंदावन के सुंदरीकरण और निर्माण प्रयासों की जमकर सराहना की।

84 कान्हा भक्ति स्तंभों की नक्काशी का किया अवलोकन : निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री का मुख्य आकर्षण अयोध्या में धर्म पथ और राम पथ पर बने सूर्य स्तंभों की तर्ज पर यहां स्थापित किए गए 84 कान्हा भक्ति स्तंभ रहे।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा, कई सेंटीमीटर का उतार-चढ़ाव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, प्रयागराज : विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी है। शुक्रवार सुबह आठ बजे तक यमुना का जलस्तर नैनी में 82.48 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में छह सेंटीमीटर नीचे आया है। वहीं गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 83.02 मीटर रहा, जो नौ सेंटीमीटर बढ़ा है।

छतनाग में गंगा का जलस्तर 82.06 मीटर दर्ज किया गया। यहां पिछले 24 घंटे में जलस्तर 10 सेंटीमीटर घटा है। बक्सी बांध स्थित एसटीपी पर जलस्तर 82.58 मीटर रहा, जो पांच सेंटीमीटर नीचे आया है। जिले में गंगा और यमुना का खतरे का स्तर 84.734 मीटर निर्धारित है। इस लिहाज से दोनों नदियों का जलस्तर फिलहाल खतरे के निशान से नीचे बना हुआ है। हालांकि, गंगा के फाफामऊ क्षेत्र में जलस्तर में वृद्धि दर्ज होने से बाढ़ नियंत्रण विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार शुक्रवार सुबह तक सभी तटबंध सुरक्षित हैं। नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है और संबंधित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है। प्रयागराज बाढ़ नियंत्रण कक्ष प्रभारी निखिल प्रसाद ने बताया कि गंगा और यमुना के जलस्तर में फिलहाल उतार-चढ़ाव बना हुआ है। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर बढ़ा है, जबकि नैनी और छतनाग में कमी दर्ज की गई है। सभी तटबंध सुरक्षित हैं और विभागीय टीमें लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं।

बाढ़ प्रभावितों की मदद में सरकार का राहत तंत्र मुस्तैद, 17 हजार 544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राहत एवं बचाव अभियान लगातार युद्धस्तर पर जारी है।

उत्तर प्रदेश के बाढ़ राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ का असर रहा। करीब 3.53 लाख आबादी प्रभावित होने के बावजूद राहत एवं बचाव तंत्र की सक्रियता से अब तक कोई जन या पशु हानि नहीं दर्ज की गई है। प्रभावितों को 72 हजार 897 बाढ़ राहत किट और 3.67 लाख से अधिक लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ भोजन, राहत सामग्री और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 17 हजार 544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। अभी लगभग पांच हजार लोग बाढ़ शरणालयों में रह रहे हैं। प्रदेश में कुल एक हजार 312 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए हैं।

राहत और बचाव अभियान को प्रभावी बनाने के लिए एक हजार 634 बाढ़ चौकियां, एक हजार 697 नाव-मोटरबोट और एक हजार 068 मेडिकल टीमें सक्रिय हैं। इससे प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी के साथ जरूरतमंद लोगों तक तत्काल मदद पहुंचाई जा रही है।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि योगी सरकार के राहत अभियान में प्रभावित परिवारों तक भोजन और जरूरी सामग्री पहुंचाने पर विशेष जोर है। अब तक 72 हजार 897 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और तीन लाख 67 हजार 551 लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। इसके अलावा पशुओं के लिए पांच हजार कुंतल से अधिक भूसा वितरित किया जा चुका है। स्वास्थ्य सुरक्षा के तहत 5.52 लाख से अधिक क्लोरीन टैबलेट और 1.87 लाख से अधिक ओआरएस पैकेट भी वितरित किए जा चुके हैं। बाढ़ से 45 हजार से अधिक पशु प्रभावित हैं लेकिन अभी तक किसी पशु की मृत्यु नहीं हुई है। इसी तरह जनहानि की भी कोई सूचना नहीं मिली है।

बाढ़ प्रभावित जिले

अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, चंदौली, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कानपुर, लखीमपुर खीरी, मिर्जापुर, मुरादाबाद, पीलीभीत, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर, उन्नाव और वाराणसी।

काशी हुई कान्हामय, चहुंओर गूंजा 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की'

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी पूरी तरह कान्हामय हो उठी। शहर के मंदिरों से लेकर घर-आंगन, पुलिस लाइन, थानों और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों तक भगवान श्रीकृष्ण की भव्य झांकियां सजाई गईं। भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच श्रद्धालुओं में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। देर रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही शंख, घंट-घड़ियाल और जयकारों से काशी की फिजाएं गूंज उठेंगी।

ज्योतिषविद आचार्य रविंद्र तिवारी के अनुसार, इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर करीब 59 साल बाद विशेष ग्रह-नक्षत्र संयोग बना है। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर रोहिणी नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इस दौरान सूर्य सिंह, चंद्रमा वृषभ, बुध सिंह, बृहस्पति कर्क और शनि मीन राशि में गोचर कर रहे हैं। ऐसे शुभ संयोग में मध्यरात्रि 12 बजे रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का प्रतीकात्मक जन्म होगा।

जन्म के समय मंदिरों और घरों में शंखनाद, घंटियों और घंट-घड़ियाल की मंगलध्वनि के बीच 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारे गूंजेंगे। श्रद्धालु 'भये प्रगट कृपाला, दीनदयाला...' और 'आरती कुंज बिहारी की...' जैसे भजनों के साथ भगवान का जन्मोत्सव मनाएंगे। कई घरों में पारंपरिक सोहर गीत भी गूंजेंगे।

दुर्गाकुंड स्थित इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी के अवसर पर रात 11 से 12 बजे के बीच कलश महाभिषेक होगा। इसके बाद मध्यरात्रि 12 से 12:30 बजे तक भोगार्पण और महाआरती का आयोजन किया जाएगा। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। हरे कृष्ण हरे राम संकीर्तन सोसायटी के तत्वावधान में माहेश्वरी भवन में रात 11 बजे महाभिषेक और महाआरती होगी।

शंकुलधारा पोखरा स्थित द्वारिकाधीश मंदिर में भोर चार बजे भगवान के श्रीविग्रह का शहद से स्नान कराया गया। इसके बाद दूध और घृत स्नान कराया गया तथा बालभोग अर्पित किया गया। राधागोविंद मंदिर, चौक में पूर्वाह्न 11:30 बजे राधारमण भगवान का शहद से स्नान कराकर जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया।

सरकार ने ड्रग नेटवर्क पर कसा शिकंजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को नशे के कारोबार से मुक्त कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में ड्रग माफिया और नशीली दवाओं की अवैध सप्लाई चेन के खिलाफ कार्रवाई तेज है। सरकार के इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए एएनटीएफ लखनऊ यूनिट और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की संयुक्त टीम ने राजधानी लखनऊ में नशीली दवाओं के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। ट्रांसपोर्ट नगर में की गई कार्रवाई में करीब 228 किलोग्राम नशीली दवाएं बरामद हुई हैं। इनमें 9.60 लाख एल्जोमैक-0.5 (एल्प्राजोलाम) टैबलेट, 1.20 लाख स्पैसमोनाम प्लस (ट्रामाडोल एचसीएल) कैप्सूल और कोडीनयुक्त ओनेरेक्स 100 एमएल कफ सिरप की 720 बोतलें शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान सात मोबाइल फोन और 11,140 रुपये नकद भी मिले। मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।एएनटीएफ को ट्रांसपोर्ट नगर में नशीली दवाओं की बड़ी खेप पहुंचने की सूचना मिली थी। 3 सितंबर को टीम ने मकान संख्या एस-363/364 के आसपास निगरानी शुरू की। इसी दौरान तीन लोग कार्टूनों को बोरियों में छिपाते दिखाई दिए। संदेह के आधार पर तलाशी लेने पर किशन वासवानी, समीर अहमद और शाद इरशाद के कब्जे से बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद हुईं। कार्रवाई में एफएसडीए की टीम भी शामिल रही। औषधि निरीक्षकों ने बरामद दवाओं के नमूने जांच के लिए सुरक्षित किए। पूछताछ आगे बढ़ी तो सप्लाई नेटवर्क की अगली कड़ी सामने आई।

तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से जुट जाएं कार्यकर्ता : गुप्ता

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, प्रयागराज : भाजपा काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को कार्यकर्ताओं से 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और संगठन की मजबूती के दम पर 2027 में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। संगठन ने उन पर दोबारा विश्वास जताते हुए जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कटरा स्थित आवास पर पहुंचकर अवधेश चंद्र गुप्ता का अंगवस्त्र पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर अवधेश चंद्र गुप्ता ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं। महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत, निष्ठा और कार्यक्षमता के बल पर संगठन के उच्च पद तक पहुंच सकता है। इस अवसर पर विक्रमजीत सिंह भदौरिया, आनंद श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, रवींद्र गांधी, मयंक दुबे, अजय सिंह, दीप द्विवेदी, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, मो. शरीफ सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

आपका राशिफल 05 सितम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक 2 4 6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक 3 5 7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5